**5- Caring छात्रों की देखभाल करने वाला**

 **एक अच्छे गणित शिक्षक का कार्य केवल शिक्षण करना ही नहीं है बल्कि छात्रों की उन्नति का भी ध्यान रखना है. एक अच्छे गणित शिक्षक छात्रों की उन्नति का परस्पर ध्यान रखते हैं कि कौन सा छात्र कितनी उन्नति कर रहा है और उसे आगे क्या करने की जरूरत है, एक अच्छा गणित शिक्षक शिक्षण के दौरान सभी छात्रों की देखरेख करने वाला होना चाहिए. यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कौन छात्र क्या सीख सकता है उसे किस प्रकार के शिक्षण की आवश्यकता है. सभी छात्रों की योग्यताओं को जानकर पहचान कर उनके अनुरूप शिक्षण करने वाला होना चाहिए.**

 **Manager प्रबंधक**

शिक्षक को केवल पाठ्यक्रम स्थानांतरण करने वाला नहीं होना चाहिए बल्कि उसे एक अच्छा प्रबंधक भी होना चाहिए. अगर शिक्षण के दौरान कक्षा कक्ष प्रबंधित नहीं है तो शिक्षक को शिक्षण करने में बड़ी कठिनाई होती है. अतः शिक्षक को कक्षा कक्ष में पाठ विषय वस्तु का ज्ञान देने से पूर्व छात्रों को उचित स्थान पर बैठा देना चाहिए. ऐसे छात्र जो आपस में बातचीत करते रहते हैं उन्हें अलग-अलग बैठा देना चाहिए और ऐसे छात्र जिन्हें कम दिखता है उन्हें सामने की बेंच पर बैठा देना चाहिए. एक बार में एक ही छात्र को प्रश्न पूछने का मौका दें इत्यादि इन चीजों से कक्षा कक्ष प्रबंधित रहता है और पाठ्यवस्तु स्थानांतरण में शिक्षक को सुविधा होती है.

 अतः एक गणित शिक्षक को गणित शिक्षण करने से पूर्व कक्षा को अच्छी तरह से प्रबंधित कर लेना चाहिए.

 **facilitator अधिगम सुगम करने वाला**

 गणित शिक्षण करने के दौरान ज्यादातर शिक्षक छात्रों को समस्याएं देकर के उसका संपूर्ण हल बता देते हैं ऐसा करने से छात्रों को हमेशा सहायता की आवश्यकता पड़ने लगती है. एक गणित शिक्षक को गढ़ की समस्याओं का हल न बताकर एक फैसिलिटेटर के रूप में कार्य करना चाहिए. छात्रों को कहां पर किस प्रकार की परेशानी है उस परेशानी को पहचान कर केवल थोड़ा सा सहायता या मार्गदर्शन कर देना ही फैसिलिटेटर का कार्य होता है ना कि संपूर्ण सलूशन बता देना.

 अतः एक गणित शिक्षक को गणित विषय का शिक्षण करते समय सुगम करता का कार्य करना चाहिए

 Evaluator मूल्यांकन करता

 किसी भी विषय वस्तु का शिक्षण करने के पश्चात छात्रों के अधिगम की उन्नति का आकलन करने के लिए मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है. एकल शिक्षक को छात्रों के अधिगम का मूल्यांकन यथार्थ रूप से करना चाहिए. मूल्यांकन निष्पक्ष भेदभाव रहित होना चाहिए.

 अतः गणित शिक्षण करने के पश्चात शिक्षक को छात्रों के अधिगम का आकलन करने के लिएभेदभाव ना करके के मूल्यांकन करना चाहिए.

 **बाल मनोविज्ञान का धनी**

एक शिक्षक को मनोविज्ञान के ज्ञान का होना जरूरी है अगर शिक्षक को मनोविज्ञान का ज्ञान नहीं है वह तो छात्रों की अधिगम का आकलन करने में असमर्थ रहेगा छात्रों की प्रतिभा को समझने में असमर्थ रहेगा छात्रों के सीखने के तौर तरीकों से अनभिज्ञ रहेगा. अतः एक गणित शिक्षक को बाल मनोविज्ञान के ज्ञान का होना अति आवश्यक है

 **Punctual and Dutiful समय निष्ट एवं कर्तव्यनिष्ठ**

 गणित शिक्षक को गणित विषय का शिक्षण करते समय कक्षा में आने तथा कक्षा से निकलने के समय का विशेष ध्यान रखना चाहिए. नियत समय पर कक्षा में प्रवेश कर नियत समय पर कक्षा कक्ष का शिक्षण समाप्त करने वाला होना चाहिए.

 **Constantly learning सतत अध्ययनरत**

 **एक अच्छे गढ़ शिक्षक को सताया हुआ अध्ययनरत होना चाहिए जिससे कि शिक्षण के नए नए तौर-तरीकों, वीडियो एवं आविष्कारों का ज्ञान हो सके. और आवश्यकता पड़ने पर उसे अपनी शिक्षण में उचित तरीके से प्रयोग कर सकें.**

 **आतः शिक्षक को सदैव अध्ययनरत होना चाहिए ताकि गणित विषय में हो रहे नए नए शिक्षण तकनीकी शिक्षण विधियों को अपने शिक्षण में उचित तरीके से प्रयोग कर सकें.**

 **constructivist रचनावादी**

 ज्यादातर शिक्षक शिक्षण करते समय शिक्षक केंद्रित शिक्षण को अपनाते हैं. गणित शिक्षक को आवश्यकता पड़ने पर छात्र केंद्रित शिक्षण को अपनाना चाहिए, छात्रों के सोचने के तौर-तरीकों का समर्थन करना चाहिए, छात्रों को अपने विचार रखने की अनुमति देना चाहिए, छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना चाहिए.

 अतः एक गणित शिक्षक को रचनावादी शिक्षक होना अति आवश्यक है.